SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

SSC Stenographer — Stenographer Grade 'C' and Grade 'D' Examination

स्टेनोग्राफ़र कर्मचारी चयन आयोग की वह परीक्षा है जिससे कक्षा 12 उत्तीर्ण व्यक्ति भारत सरकार के मंत्रालयों एवं कार्यालयों में आशुलिपिक के पद पर जाता है। आशुलिपिक वह कर्मचारी है जो बोले गए शब्दों को आशुलिपि (शॉर्टहैंड) में तेज़ी से...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/ssc-stenographer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

स्टेनोग्राफ़र कर्मचारी चयन आयोग की वह परीक्षा है जिससे कक्षा 12 उत्तीर्ण व्यक्ति भारत सरकार के मंत्रालयों एवं कार्यालयों में आशुलिपिक के पद पर जाता है। आशुलिपिक वह कर्मचारी है जो बोले गए शब्दों को आशुलिपि (शॉर्टहैंड) में तेज़ी से लिखता है और फिर उन्हें टंकित रूप में उतारता है — बैठकों की कार्यवाही, अधिकारियों के श्रुतलेख, तथा पत्राचार का बड़ा भाग इसी कौशल पर चलता है। परीक्षा दो ग्रेड के लिए होती है: ग्रेड सी, जो ऊँचा पद है, तथा ग्रेड डी। दोनों की आयु-सीमा अलग है और यह इस परीक्षा की सबसे व्यावहारिक बात है। इस पद की एक विशेषता यह है कि प्रवेश की योग्यता केवल कक्षा 12 है — आशुलिपि की गति प्रवेश की शर्त नहीं, बल्कि लिखित परीक्षा के बाद होने वाले कौशल परीक्षण में जाँची जाती है, अर्थात् वह कौशल परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद भी सीखा जा सकता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	मान्यता प्राप्त बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय से कक्षा 12 उत्तीर्ण, विज्ञप्ति में दी गई निर्धारित तिथि तक। आशुलिपि की गति प्रवेश की शर्त नहीं है
भर्ती संस्था	कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.), भारत सरकार
आयु-सीमा	ग्रेड सी के लिए 18 से 30 वर्ष, तथा ग्रेड डी के लिए 18 से 27 वर्ष — एक ही परीक्षा, दो अलग खिड़कियाँ
आरंभिक वेतन	ग्रेड डी केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 4 (मूल ₹25,500); ग्रेड सी लेवल 6 (मूल ₹35,400)
माँग	चयन लिखित परीक्षा एवं उसके बाद आशुलिपि के कौशल परीक्षण से — दोनों चरण अलग हैं

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- भाषा, श्रुतलेख एवं लिखित अभिलेख के काम में रुचि
- वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कार्यालय में काम करना
- गति एवं शुद्धता वाला कौशल सीखना एवं उसे साधना

क्षमताएँ

- सुनते हुए तेज़ी से लिखने की क्षमता — यही इस पद का मूल कौशल है
- एकाग्रता एवं धैर्य — लंबी बैठकों की कार्यवाही बिना चूक के लेनी होती है
- भाषा पर पकड़, हिंदी अथवा अंग्रेज़ी में, क्योंकि श्रुतलेख उसी भाषा में उतारना होता है

ज़रूरी कौशल

- आशुलिपि (शॉर्टहैंड) — हिंदी अथवा अंग्रेज़ी में
- श्रुतलेख को सही एवं पठनीय रूप में उतारना
- गोपनीयता, क्योंकि आशुलिपिक प्रायः संवेदनशील सामग्री देखता है
- कंप्यूटर पर तेज़ एवं शुद्ध टंकण
- कार्यालय-प्रक्रिया, नस्ती एवं पत्राचार की समझ
- हिंदी एवं अंग्रेज़ी दोनों में कार्य-योग्यता

4 कैसे पहुँचें

1. मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12 उत्तीर्ण करें, किसी भी संकाय से। प्रवेश के लिए इससे आगे कोई योग्यता आवश्यक नहीं।
2. आयु का हिसाब ग्रेड के अनुसार लगाएँ, क्योंकि यह एक ही परीक्षा में दो अलग खिड़कियाँ रखती है: ग्रेड सी के लिए 18 से 30 वर्ष, तथा ग्रेड डी के लिए 18 से 27 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि 28 अथवा 29 वर्ष का अभ्यर्थी ग्रेड डी के लिए पात्र नहीं रह जाता किंतु ग्रेड सी के लिए पात्र बना रहता है — यह बात अधिकांश सारांशों में नहीं मिलती और उसी कारण बहुत-से लोग स्वयं को अपात्र मान लेते हैं।
3. आशुलिपि सीखना आरंभ करें, और यहाँ समय आपके पक्ष में है। आशुलिपि की गति प्रवेश की शर्त नहीं है — वह लिखित परीक्षा के बाद कौशल परीक्षण में जाँची जाती है। इसका अर्थ यह है कि आप आवेदन कर सकते हैं और तैयारी के महीनों में यह कौशल साध सकते हैं। यह इस पोर्टल के कई अन्य पदों से उल्टा है, जहाँ प्रमाण-पत्र अथवा लाइसेंस आवेदन की अंतिम तिथि तक हाथ में होना अनिवार्य है।
4. टंकण का अभ्यास आशुलिपि के साथ-साथ चलाएँ, क्योंकि श्रुतलेख को उतारना टंकण पर ही निर्भर करता है। दोनों कौशल अलग हैं और दोनों की आवश्यकता पड़ती है।
5. भाषा चुनें — हिंदी अथवा अंग्रेज़ी — और उसी में गति बनाएँ। दोनों में विकल्प उपलब्ध रहता है, इसलिए वह भाषा चुनें जिसमें आपकी पकड़ स्वाभाविक रूप से बेहतर है।
6. आयोग की वेबसाइट पर विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- आयु-सीमा को ग्रेड के साथ पढ़ना आवश्यक है, क्योंकि यही इस परीक्षा की सबसे अधिक चूकी जाने वाली बात है। विज्ञप्ति दोनों को अलग-अलग बताती है: ग्रेड सी के लिए 18 से 30 वर्ष, ग्रेड डी के लिए 18 से 27 वर्ष। यह एक ही आवेदन-पत्र से होने वाली परीक्षा है, पर पात्रता ग्रेड के अनुसार अलग है। इस पोर्टल पर यह दूसरी परीक्षा है जिसमें एक ही विज्ञप्ति के भीतर दो आयु-सीमाएँ चलती हैं — दूसरी एम.टी.एस. है, जहाँ एम.टी.एस. एवं हवलदार की सीमाएँ भिन्न हैं। ऐसी परीक्षाओं में "इस परीक्षा की आयु-सीमा" जैसा एक वाक्य लिखना ही भूल है।
- चयन दो चरणों में होता है और दोनों की तैयारी अलग प्रकार की है। पहला चरण कंप्यूटर आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षा है, जिसमें सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति, सामान्य जागरूकता तथा अंग्रेज़ी भाषा एवं बोध आते हैं। दूसरा चरण आशुलिपि का कौशल परीक्षण है, जिसमें श्रुतलेख लिया जाता है और उसे निर्धारित समय में उतारना होता है। बहुत-से अभ्यर्थी पहला चरण निकालकर दूसरे पर रुक जाते हैं, इसलिए आशुलिपि का अभ्यास लिखित तैयारी के साथ-साथ चलना चाहिए, उसके बाद नहीं।
- एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती। केंद्र का लेवल 4 ₹25,500 एवं लेवल 6 ₹35,400 है, जबकि राजस्थान के मैट्रिक्स की संख्याएँ भिन्न मूल्य रखती हैं। तुलना रुपये के आँकड़े से करें, स्तर की संख्या से नहीं।
- योग्यता एवं कौशल का समय अलग-अलग है और यह भेद व्यावहारिक रूप से बहुत महत्त्वपूर्ण है। प्रवेश के लिए केवल कक्षा 12 चाहिए; आशुलिपि की गति बाद में, कौशल परीक्षण में जाँची जाती है। तुलना करें: दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल (मंत्रालयिक) पद पर टंकण की गति प्रवेश की ही शर्त है, और कांस्टेबल (चालक) पद पर भारी वाहन का लाइसेंस आवेदन की अंतिम तिथि तक होना अनिवार्य है। तीनों में कौशल की माँग है, पर समय अलग है — और वही समय तय करता है कि कोई व्यक्ति इस वर्ष आवेदन कर सकता है या नहीं।
- दोनों ग्रेड के बीच वेतन का अंतर वास्तविक है और वह चुनाव को प्रभावित करता है। ग्रेड डी केंद्रीय पे मैट्रिक्स के लेवल 4 पर आता है और ग्रेड सी लेवल 6 पर — अर्थात् आरंभिक मूल वेतन में लगभग दस हज़ार रुपये का अंतर है, तथा ग्रेड सी के पद प्रायः वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होते हैं। आयु-सीमा भी ग्रेड सी में अधिक उदार है। इसलिए जहाँ पात्रता हो वहाँ दोनों के लिए विकल्प देना समझदारी है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Any recognised Board — the entry qualification is a Class 12 pass — राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सहित कोई भी मान्यता प्राप्त बोर्ड (https://rajeduboard.rajasthan.gov.in/)
- Government ITI and polytechnic stenography and secretarial practice courses — where the shorthand skill is actually taught — राजस्थान के अनेक ज़िलों में (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- Rajasthan State Open School — for completing Class 12 alongside work; reached through the School Education Department portal — जयपुर एवं ज़िला केंद्र (https://education.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- कर्मचारी चयन आयोग — विज्ञप्ति एवं दोनों ग्रेड की आयु-सीमा — यही परीक्षा आयोजित करने वाला आयोग है (https://ssc.gov.in/)

- एस.एस.सी. — परीक्षा योजना एवं कौशल परीक्षण की शर्तें — आशुलिपि की गति एवं समय यहीं से देखें (https://ssc.gov.in/for-candidates/scheme-of-examination)
- एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र (निःशुल्क) — लिखित चरण की सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

प्रवेश की योग्यता कक्षा 12 है और वह राजकीय विद्यालय से लगभग निःशुल्क हो जाती है, इसलिए इस राह की शैक्षणिक लागत बहुत कम है। असली निवेश आशुलिपि सीखने में लगता है, और यहाँ चुनाव सावधानी से करना चाहिए। राजकीय आई.टी.आई. एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में आशुलिपि एवं सचिवीय अभ्यास के पाठ्यक्रम बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध हैं, और निजी संस्थानों की तुलना में यही सबसे किफ़ायती रास्ता है। एक बात इस पद के पक्ष में जाती है: चूँकि आशुलिपि प्रवेश की शर्त नहीं है, आप आवेदन करने का निर्णय पहले ले सकते हैं और कौशल बाद में साध सकते हैं — अर्थात् पैसा तब लगाना पड़ता है जब आप निश्चित हो चुके हों कि यह राह आपके लिए है। लिखित चरण की तैयारी के लिए आयोग स्वयं पाठ्यक्रम एवं पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र निःशुल्क देता है। आशुलिपि का अभ्यास मुख्यतः समय माँगता है, पैसा नहीं — प्रतिदिन का नियमित श्रुतलेख अभ्यास किसी भी रिकॉर्डिंग से किया जा सकता है। राजस्थान के अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, ई.डब्ल्यू.एस. एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में एस.एस.सी. की परीक्षाएँ सम्मिलित हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

भारत सरकार के मंत्रालय, विभाग एवं अधीनस्थ कार्यालय — पूरे देश में। ग्रेड सी के पद प्रायः वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होते हैं। काम पूरी तरह कार्यालय के भीतर होता है।

कार्य-संस्कृति

आशुलिपिक का काम कार्यालय के भीतर होता है और उसकी लय अधिकारी की दिनचर्या से बँधी रहती है — बैठकें, श्रुतलेख, पत्राचार एवं अभिलेख। समय प्रायः निश्चित रहता है, यद्यपि किसी बड़ी बैठक अथवा समय-सीमा के समय काम देर तक खिंच सकता है। इस पद की एक विशेषता यह है कि यह वरिष्ठ अधिकारियों के निकट रहता है, इसलिए सरकारी कामकाज की प्रक्रिया की समझ यहाँ तेज़ी से बनती है — और यही समझ आगे विभागीय परीक्षाओं एवं पदोन्नति में काम आती है। इसके साथ एक ज़िम्मेदारी जुड़ी है जिसे कम करके नहीं आँकना चाहिए: आशुलिपिक प्रायः वह सामग्री देखता है जो अभी सार्वजनिक नहीं हुई, इसलिए गोपनीयता इस पद का पेशेवर अनुशासन है, केवल औपचारिकता नहीं। कौशल की माँग निरंतर बनी रहती है — आशुलिपि एवं टंकण की गति अभ्यास छूटने पर कम होती है, इसलिए इसे सेवा में रहते हुए भी बनाए रखना पड़ता है। बदले में यह उन कम पदों में है जहाँ कक्षा 12 की योग्यता पर एक विशिष्ट कौशल के बल पर वेतन-स्तर सामान्य लिपिकीय पदों से ऊपर पहुँचता है।

कौन नौकरी देता है

- भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय एवं विभाग
- केंद्र सरकार के अधीनस्थ कार्यालय एवं निदेशालय
- संवैधानिक निकाय एवं आयोग
- राज्य स्तर पर समान पद — राजस्थान की आशुलिपिक भर्ती इसी कौशल पर चलती है

माँग (2026)

सरकारी कार्यालयों में श्रुतलेख एवं अभिलेख का काम बना हुआ है और आशुलिपिक के पद नियमित रूप से भरे जाते हैं, इसलिए यह परीक्षा प्रायः हर वर्ष आती है। तीन बातें ध्यान में रखें। पहली, यह विशिष्ट कौशल वाला पद है, इसलिए प्रतिस्पर्धा उन सामान्य पदों से भिन्न है जहाँ केवल लिखित परीक्षा होती है — आवेदक बहुत होते हैं, पर कौशल परीक्षण तक पहुँचकर उसे उत्तीर्ण करने वाले कम रह जाते हैं। जो व्यक्ति आशुलिपि में वास्तव में गति बना लेता है, उसके लिए यह एक असामान्य रूप से अनुकूल गणित है। दूसरी, यही कौशल राज्य सरकार की आशुलिपिक भर्तियों, न्यायालयों तथा निजी क्षेत्र के सचिवीय पदों में भी चलता है, इसलिए तैयारी एक ही पद पर निर्भर नहीं रहती। तीसरी, तकनीक बदल रही है और श्रुतलेख के तरीक़े भी — पर सरकारी कार्यालयों में यह संवर्ग अब भी स्थापित है, और आशुलिपि के साथ कंप्यूटर एवं टंकण का कौशल रखने वाला व्यक्ति उस परिवर्तन में अधिक सुरक्षित रहता है। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. आशुलिपिक ग्रेड डी — प्रवेश-पद, केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 4 (मूल ₹25,500)
2. आशुलिपिक ग्रेड सी — इसी परीक्षा से सीधे भी, तथा ग्रेड डी से पदोन्नति द्वारा भी; लेवल 6 (मूल ₹35,400)
3. निजी सचिव — विभागीय पदोन्नति द्वारा, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ
4. वरिष्ठ निजी सचिव एवं प्रधान निजी सचिव — संवर्ग का वरिष्ठ स्तर

कमाई

शुरुआत	ग्रेड डी: केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 4 — मूल वेतन ₹25,500; ग्रेड सी: लेवल 6 — मूल वेतन ₹35,400
मध्य स्तर	₹45,000 – ₹65,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों की सेवा के बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹80,000 से अधिक (भत्तों सहित, निजी सचिव एवं उससे ऊपर)

दोनों आँकड़े केंद्रीय पे मैट्रिक्स के सम्बन्धित स्तरों के पहले खाने हैं, जो आयोग की अपनी वेतन-सूची से लिए गए हैं। ये मूल वेतन हैं; महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता एवं यात्रा भत्ता इन पर अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इनसे काफ़ी अधिक होती है। दोनों ग्रेड के बीच लगभग दस हज़ार रुपये का आरंभिक अंतर है, और यही कारण है कि जहाँ आयु की पात्रता हो वहाँ दोनों के लिए विकल्प देना उचित रहता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि ग्रेड डी का स्तर भी कक्षा 12 माँगने वाले सामान्य लिपिकीय पदों से ऊपर है, और उसका कारण यही है कि यह एक विशिष्ट कौशल माँगता है। एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती; तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कक्षा 12 की योग्यता पर वेतन-स्तर सामान्य लिपिकीय पदों से ऊपर, क्योंकि यह विशिष्ट कौशल माँगता है
- आशुलिपि प्रवेश की शर्त नहीं — कौशल आवेदन का निर्णय लेने के बाद भी सीखा जा सकता है
- ग्रेड सी की आयु-सीमा 30 वर्ष तक, जो कक्षा 12 स्तर की भर्तियों में उदार है
- कौशल परीक्षण के कारण अंतिम प्रतिस्पर्धा उतनी बड़ी नहीं रहती जितनी आवेदकों की संख्या से लगती है

चुनौतियाँ

- आशुलिपि एवं टंकण दोनों साधने पड़ते हैं, और अभ्यास छूटने पर गति गिरती है
- ग्रेड डी की आयु-सीमा 27 वर्ष है, जो ग्रेड सी से तीन वर्ष कम
- बहुत-से अभ्यर्थी लिखित चरण निकालकर कौशल परीक्षण पर रुक जाते हैं
- तैनाती अपने राज्य से बाहर मिल सकती है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कर्मचारी चयन आयोग — आधिकारिक वेबसाइट — https://ssc.gov.in/

2. एस.एस.सी. — परीक्षा योजना एवं कौशल परीक्षण — https://ssc.gov.in/for-candidates/scheme-of-examination

3. एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र — https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper

4. तकनीकी शिक्षा निदेशालय, राजस्थान — आशुलिपि एवं सचिवीय अभ्यास के पाठ्यक्रम — https://dte.rajasthan.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in